

p>Title: Regarding business of the House scheduled for the day.

MR. SPEAKER: Please sit down. Everybody should occupy their seats. May I explain to the Members what the position is? Please try to understand the exact position. I have received Privilege Notices from two hon. Members. As you all know, Privilege Notice gets precedence over the other business before the House. After this is disposed of, I will take up the Adjournment Motion Notice on which, as I said, I would permit you. Then, there are other Adjournment Motion Notices on which I will permit the Members to make their observations. Thereafter, the regular 'Zero Hour' will start. If you all cooperate, everybody will get an opportunity. At least, for one day, I want cooperation from every Member so that we can dispose of the business.

SHRI SONTOSH MOHAN DEV (SILCHAR): We are cooperating everyday and that is why, we are winning.

MR. SPEAKER: The way you are standing up in between is not treated as cooperation.

I am going to give opportunities to all those who should get the priority. Since tomorrow is 'Women's Day', Shrimati Margaret Alva has requested me that tomorrow being a holiday, she wants to say something about the Women's Reservation Bill. She will also get the priority.

However, let me make up my mind on how I go about the business. Please cooperate with me. Shri Priya Ranjan Dasmunsi has also requested me to give him an opportunity because he wants to raise the Iraq issue. I am going to give opportunities to all, provided you cooperate with me. Otherwise, everything will go as it happens every day. Please do not do that, and this is my request.

...(Interruptions)

श्री सुरेश रामराव जाधव (परमनी) : अध्यक्ष महोदय, मुझे गन्ना किसानों पर बोलना है। (ब्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपकी पार्टी कौन सी है? कृपया आप बैठ जाइए।

...(Interruptions)

MR. SPEAKER: Now, I am going to take up the Privilege Notice as per the procedure. I have received notices on the question of privilege from Shri Ramji Lal Suman and Dr. Raghuvansh Prasad Singh against Kumari Mayawati, Chief Minister of Uttar Pradesh, for her reported statement that Members of Parliament earn money by way of commission from MPLADS funds. I have received this notice today.

कुंवर अखिलेश सिंह (महाराजगंज, उ.प्र.) : अध्यक्ष महोदय, मेरा भी नोटिस है।

अध्यक्ष महोदय : प्रिविलेज नोटिस में दो नाम हैं।

कुंवर अखिलेश सिंह : महोदय, मेरा एडजर्नमेंट मोशन है।

अध्यक्ष महोदय : उसके लिए मैंने कहा है।

...(Interruptions)

MR. SPEAKER: This is the notice which I have received from both of them. The matter is under my consideration. We may take up the matter in due course of time.

...(Interruptions)

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) : अध्यक्ष महोदय, हमारी प्रार्थना है कि एक मिनट हमारी बात सुन लीजिए। (ब्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : रामजीलाल सुमन जी और रघुवंश जी, आप इस सदन में सीनियर मेम्बर हैं।

(ब्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मैंने आपको परमीशन नहीं दी है, कृपया आप बैठ जाइए।

...(Interruptions)

MR. SPEAKER: You are not prepared to listen to the request that I have made earlier. Nobody wants to listen to it. Please sit down. I am going to give a chance to everybody. You need not stand and shout in the House. आप लोग ये क्या करते हैं? आपको समझना चाहिए कि पूरा देश आपकी तरफ देखता है।

You must respect your voters who have elected you to this place. I have read the notice. The procedure is clear. Notices have been received from both the Members. I have said that the matter is under my consideration, there is a procedure which I will follow, and that in due course of time you will be permitted to speak in the House.

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली) : उसमें विशेष बात है। जब सवाल उठा तो गृहमंत्री जी ने इंकार नहीं किया। गृहमंत्री जी ने कहा कि जब वे चीफ मिनिस्टर थीं, यह तब का नहीं है। चीफ मिनिस्टर बनने से पहले उन्होंने बयान दिया होगा। इस बयान से समस्त सदन की अवमानना हुई है। (ब्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : यह चर्चा अभी नहीं हो सकती है। प्लीज बैठिये। मैं आपको राइट टाइम पर इजाजत दूंगा, अभी नहीं दूंगा। I have to consider your notice.

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप ऐसा कैसे कर सकते हैं, आप जरा मुझे टाइम दीजिए।

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : इसे आपको विशेषाधिकार समिति में भेजने का अधिकार है, इसमें नियम 222 देखा जाये। (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मुझे पूरे अधिकार मालूम हैं और अपने अधिकार से ही मैंने यह निर्णय लिया है।

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : इसकी जांच-पड़ताल के लिए विशेषाधिकार समिति है। यह सदस्यों की अवमानना का प्रश्न है।

MR. SPEAKER: Now, I am on the notice for Adjournment Motion. I have permitted Shri Prabhunath Singh to speak. आप बोलते रहिये।

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Nothing of what Dr. Raghuvansh Prasad Singh says should go on record.

(Interruptions) * (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : रघुवंश जी, प्लीज बैठिये। आप कोआपरेट करिये, नहीं तो हाउस कैसे चलेगा।

श्री प्रभुनाथ सिंह : ये नियमों का हवाला दे रहे हैं। (व्यवधान)

* Not Recorded

MR. SPEAKER: आपको मुझसे जवाब चाहिए? अगर आप बैठेंगे तो जवाब दूंगा, नहीं तो जवाब कैसे दूंगा। If you want a reply from me, you sit down. I will give you a reply.

श्री कीर्ति झा आज़ाद (दरभंगा) : आप सोच सकते हैं कि बिहार में क्या होता होगा।

अध्यक्ष महोदय : रघुवंश प्रसाद सिंह जी, आपने प्रश्न पूछा है, मैं उसका जवाब दे दूँ।

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : हमने सवाल नहीं पूछा, आग्रह किया है।

अध्यक्ष महोदय : आप जवाब सुनेंगे? मैं आपके आग्रह का जवाब दे दूँ। आप प्रेम से बैठिये न, गुस्से में मत बैठिये।

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : आप स्वीकार कर सकते हैं या इन्कार कर सकते हैं, यह बोलेंगे कि स्टेट मैटर है। हाउस में यह परिपाटी नहीं है, न नियम है, न वहां का कोई जवाब देने वाला है तो उस पार्टी का जवाब सुन लीजिए, हम यहां हैं, हमें भी मौका दीजिएगा तो मैं बैठ जाऊंगा।

श्री अशोक कुमार सिंह चन्देल (हमीरपुर, उ.प्र.) : मेरा आपसे व्यवस्था का सवाल है। आपकी व्यवस्था का उल्लंघन अगर वरिष्ठ सदस्य करेंगे तो हम जैसे नये सदस्यों का क्या होगा? (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपने व्यवस्था का प्रश्न किया है, मैं उसका उत्तर दे रहा हूँ। रघुवंश प्रसाद सिंह जी इतने सीनियर मैम्बर होते हुए भी अध्यक्ष की विनती मानने के लिए तैयार नहीं हैं तो मैं क्या कर सकता हूँ।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपने जो व्यवस्था का प्रश्न किया है, उसका उत्तर यह है कि इस सदन में यह प्रैक्टिस रही है कि एडजर्नमेंट मोशन जब कोई सदस्य देता है तो मैं उनसे विनती करता हूँ कि अभी मत बोलिये, तो भी सदस्य कुछ न कुछ बोलते ही हैं। सदस्य बोलें या न बोलें, यह सदस्य पर निर्भर है। मैं कहता हूँ कि मैं बाद में बोलने की इजाजत नहीं दूंगा और आप जीरो ऑवर में यह प्रश्न उठा सकते हैं, वैसा ही आज हुआ है। इसमें कोई नई बात नहीं है। यहां प्रभुनाथ सिंह जी ने प्रश्न उठाया था, मैंने उनको कहा था कि

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : अभी आप बैठिये। After I told him, he sat down. Now I have to allow him to speak in the 'Zero Hour'. There is nothing new before the House. I have requested earlier that every Member should co-operate with the Chair. सब कोआपरेट करेंगे तो काम होगा और अगर आप सब लोग नहीं चाहते हैं कि काम हो, ऐसा ही करना है तो करते रहिये। लेकिन यह अच्छा नहीं है, देश के लिए भी अच्छा नहीं है, आपके लिए भी अच्छा नहीं है, इसलिए उन्हें जो कुछ कहना है, थोड़े में, दो-तीन मिनट में कहें।

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : उस पर हमसे भी सुन लीजिए।

अध्यक्ष महोदय : अगर प्रथा होगी तो जरूर सुनूंगा। मैं प्रथा देखूंगा।

SHRI RUPCHAND PAL (HOOGLY): Sir, it is the prerogative of the Chair to determine the priority. Some of us have been waiting to raise the important issue of Iraq. The Government of India is succumbing to the pressure of the US.

...(Interruptions)

अध्यक्ष महोदय : मैं इजाजत दे रहा हूँ। मैं नहीं सोचता हूँ कि आपने मेरा निवेदन सुना है। आप सब लोग बैठिये।

...(ब्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : श्री प्रभुनाथ सिंह जी कहेंगे, वही रिकार्ड में जायेगा। इसके अलावा और कुछ रिकार्ड में नहीं जायेगा।

...(ब्यवधान).. *